Nai Dunia (Indore), 18th February 2024, Page – 05

नवाचार पर अधिक जोर, प्रतिभाओं को आगे लाने में लगीं संस्थाएं

आयोजन ● भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में पंचदश स्थापना दिवस मनाया

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। देश में उच्च शिक्षा को लेकर तेजी से बदलाव हो रहा है। शिक्षा की गुणवत्ता के अलावा अब नवचार की तरफ अधिक ध्यान दिया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) लागू होने के बाद शैक्षणिक संस्थान नवाचार की दिशा में सकारात्मक दृष्टि से काम करने में लगी है, जिसमें आइआइटी इंदौर ने कई आयाम स्थापित किए हैं। इन्हें देखकर बाकी संस्थान भी आइआइटी के पदचिह्नों पर चलने लगे हैं। खास बात यह है कि नवाचार को लेकर संस्थाएं प्रतिभाओं को आगे लाने और नया मंच प्रदान करने में अहम भूमिका अदा कर रही हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) देश में अनुसंधान और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र का नेतृत्व कर रहा है और इसने अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) की स्थापना की है, जो न केवल चुनिंदा विश्वविद्यालयों बल्कि देशभर के शैक्षणिक संस्थानों के लिए एक सुदृढ़ अनुसंधान एवं विकास पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में मदद करेगा। साथ ही, डीएसटी ने एक राष्ट्रीय क्वांटम मिशन भी लान्च किया है, जिसमें क्वांटम कंप्यूटिंग, क्वांटम कम्युनिकेशन, क्वांटम सेंसिंग और क्वांटम मटेरियल और डिवाइस के क्षेत्र में विषयगत केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

यह बात मुख्य अतिथि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) सचिव प्रो. अभय करंदीकर ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी-इंदौर) में शनिवार को संस्थान को पंद्रह साल पूरे होने पर आयोजित पंचदश स्थापना दिवस में कही। उन्होंने कहा कि आइआइटी इंदौर खगोल विज्ञान और अंतरिक्ष अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना करने वाले पहले आइआइटी में से एक है और इसमें अंतरिक्ष विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में बी टेक पाठ्यक्रम है। अंतरिक्ष क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

अनुसंधान केंद्र के उद्घाटन के मौके पर अतिथि। ● नईदुनिया

अनुसंधान फेलोशिप दी

केंद्र की स्थापना स्थानांतरण अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र का कार्यान्वयन करने और अनुसंधान से प्रोडक्ट स्टेज तक प्रौद्योगिकी के व्यावसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए की गई है। वहीं, मार्केट रेडी उत्पादों को प्रदर्शित करने, वर्तमान प्रौद्योगिकियों को उच्च टीआरएल स्तरों पर अपग्रेड करने के लिए पांच स्थानांतरीय अनुसंधान फेलोशिप दी गई और उनका प्रदर्शन किया गया। आइआइटी इंदौर में अनुसंधान से विकसित हुई प्रौद्योगिकियों की एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। इसमें ग्रामीण प्रौद्योगिकी विकास केंद्र की प्रौद्योगिकियां भी शामिल थीं।